महत्वपूर्ण एवं खास

नए साल के पहले दिन 9 महिला नक्सलियों समेत 44 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा (आरएनएस)। नए साल के पहले दिन ही सुकमा पुलिस ने 9 महिला नक्सलियों समेत 44 नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराने में सफ लता प्राप्त की। आत्मसमर्पितों में 2 लाख का इनामी प्लाटून मेम्बर भी शामिल है। करीगुंडम कैम्प लगने के बाद ये पहली कामयाबी मिली है। नक्सलियों ने ये आत्मसमर्पण सुकमा एसपी सुनील शर्मा के समक्ष गांव में ही किया। इस कार्यक्रम की सफलता की खुशी में पुलिस ने आत्मसमर्पितों समेत ग्रामीणों को भोजन भी कराया।

31 दिसंबर की आधी रात नशे में ड्राइविंग करने पर 14 से ज्यादा गाड़िया जब्त

रायपुर (आरएनएस)। नए साल के जश्न में 31 दिसंबर की रात 2 बजे तक पुलिस की सख्ती जारी रही। नशे में ड्राइविंग करने वाले 14 से ज्यादा लोगों की गाड़ियां जब्त की गई। कुछ लोगों का मौके पर ही पुलिस ने चालान किया। हालांकि कार्रवाई के दौरान विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी। नशे में गाड़ी चलाने वाले इधर-उधर फोन करते रहे। इसके बाद भी पुलिस ने नहीं छोड़ा। पुलिस ने जगह-जगह बेरीकेड्स और स्टापर लगाया था। 5 जगह पर ब्रीद एनालाइजर के साथ जांच की गई। आधी रात तक शहर में आने वाली सभी गाड़ियों को रोककर जांच की गई। 14 लोग शराब के नशे में गाड़ी चलाते मिले, जिनके वाहन जब्त किए गए। कुछ लोग तीन सवारी भी मिले, जिन पर जुर्माना किया गया है।

नव वर्ष के पहले दिन नक्सलियों ने लगाये बैनर, बस्तर फाइटर्स में भर्ती नहीं होने का जारी किया फरमान

बीजापुर (आरएनएस)। नव वर्ष के पहले दिन नक्सलियों ने जिले के कुटरू करकेली मार्ग में देर रात पेड़ काट कर मार्ग में डाल कर मार्ग अवरुद्ध कर इस मार्ग पर नक्सलियों द्वारा बैनर पोस्टर भी लगाया है। इतना ही नहीं नक्सलियों द्वारा लगाये गये बैनर में युवाओं को बस्तर फाइटर्स में भर्ती नहीं होने का फरमान जारी किया है। घटना की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबल मौके के लिए रवाना हो चुके हैं।

जंगल में मृत मिला तेंदुआ, पीसीसीएफ ने दिया जांच का आदेश

रायपुर (आरएनएस)। कांकेर में मिले तेंदुए के शव को लेकर शक गहरा गया है। वन विभाग को तेंदुए के शिकार की आशंका है। इसे देखते हुए पीसीसीएफ के आदेश पर एक स्पेशल जांच टीम का गठन किया गया है। तेंदुए के गले पर फंदे के निशान मिले थे। पोस्टमार्टम के बाद उसका बिसरा भी सुरक्षित रखा गया है। दो दिन पहले तेंदुए का शव कोरर वन परिक्षेत्र के तरांदुल इलाके में मिला था।कोरर के बनोली में गुरूवार सुबह 8 साल के नर तेंदुए का शव मिला था। उसके गले में फंदे का निशान बना हुआ था। साथ ही उसके मुंह से खून भी निकला था। इसके चलते उसकी मौत को लेकर संदेह है। वन विभाग ने आपराधिक प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। मामला संदेहास्पद होने के कारण तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम भी डॉक्टरों की टीम से कराया गया था।

सुकमा एसपी गोल्डन डिस्क अवार्ड से सम्मानित

सुकमा (आरएनएस) । जिले में तैनात पुलिस व सुरक्षाबलों के बीच बेहतर तालमेल काम बनाकर काम करने से नक्सली मोर्चे पर लगातार मिल रही सफलताओं लिए सीआरपीएफ डीजी कुलदीप सिंह ने एसपी सुनील शर्मा को गोल्डन डिस्क अवार्ड दिया है। इससे पहले इसी वर्ष फरवरी में सीआरपीएफ के डीजी ने तत्कालीन एसपी व डीआईजी योज्ञान सिंह को बेहतर तालमेल व मिनपा जैसे धुर नक्सल प्रभावित इलाके में फोर्स का नया कैंप स्थापित करने के लिए गोल्डन डिस्क अवार्ड दिया ।

नए वर्ष के पहले दिन छत्तीसगढ़ में दो नए अभियान की शुरूआत

» बच्चों के पठन और गणितीय कौशल विकास के लिए सौ दिवसीय अभियान

» शाला त्यागी बच्चों के लिए व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम-स्किल हब एनिशियेटिव

» बच्चों का बौद्धिक स्तर बेहतर होगा और प्रशिक्षण से युवाओं का भविष्य सुधरेगाः मंत्री टी.एस. सिंहदेव

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नए वर्ष के पहले दिन दो नए अभियान शुरू हुए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने इन दोनों अभियानों का शुभारंभ किया। जिला मुख्यालय अम्बिकापुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम से दोनों मंत्रियों ने वर्चुअल कार्यक्रम से जुड़ कर बच्चों के पठन और गणितीय कौशल विकास के लिए सौ दिवसीय अभियान, शाला त्यागी बच्चों के लिए व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम-स्किल हब एनिशियेटिव कार्यक्रम की शुरूआत की। राजधानी के मायाराम सुरजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा नरेन्द्र दुग्गा सहित संबंधित स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक और अभिभावक के साथ ही वर्चुअल रूप से सभी जिलों के शिक्षक, विद्यार्थी और उनके अभिभावक शामिल हुए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने सभी को नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा बच्चों के लिए वर्तमान समय को ध्यान में रख आवश्यकता के अनुरूप दूरदर्शिता के साथ इन दोनों योजनाओं को शुरू करने का निर्णय लिया है। कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई और उनके मानसिक विकास पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ा। निःसंदेह राज्य सरकार और शिक्षकों के प्रयास से बच्चों की पढ़ाई बाधित नहीं हो पाई। स्कूल बंद रहने के कारण बच्चों के सीखने में कमी को दूर करने के लिए सरकार ने स्कूल खोलने का निर्णय लिया। स्कूल शिक्षा विभाग ने सौ दिनों का पठन, गणितीय कौशल विकास कार्यक्रम शुरू कर बहुत बड़ी कमी को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाया है। इसका लाभ आने वाली पीढ़ी को मिलेगा। बच्चों का बौद्धिक स्तर और अधिक बेहतर होगा। दूसरी योजना स्कूल छोड़ चुके बच्चों के लिए समसामायिक रोजगारपरक शिक्षा और कौशल उन्नयन से युवाओं का भविष्य सुधरेगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम ने दोनों योजनाओं के शुभारंभ की घोषणा करते हुए कहा कि कोरोना के कारण स्कूल बंद रहने से बच्चों के लर्निंग लॉस को कम करने के लिए राज्य व्यापी सौ दिनों का पठन एवं गणितीय कौशल विकास कार्यक्रम आज से शुरू किया जा रहा है। इस सौ दिवसीय कार्यक्रम को तीन स्तरों के लिए तैयार किया गया है। पहला स्तर आंगनबाड़ी से कक्षा दूसरी तक के बच्चे, दूसरे स्तर में कक्षा तीसरी से पांचवी तक और तीसरे स्तर में कक्षा छठवीं से आठवीं तक के बच्चों को शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम 14 सप्ताहों में विभाजित है। प्रत्येक सप्ताह के लिए भाषा और गणित में अलग-अलग थीम साझा की जाएगी। इस थीम को बहुत अच्छे से कक्षा के सभी बच्चों में पूरे सप्ताह अभ्यास करवाते हुए उन्हें अनिवार्यतः दक्ष बनाये जाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास शिक्षकों द्वारा किए जायेंगे। कक्षा के भीतर और बाहर समुदाय के सहयोग से सप्ताह के लिए निर्धारित सामग्री का अभ्यास कराया जाएगा।

मंत्री डॉ टेकाम ने कहा कि स्कूल छोड़ चुके बच्चों के लिए स्किल हब एनिशियेटिव कार्यक्रम राज्य में पहली बार विद्यालय स्तर पर समग्र शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा पर आधारित कौशल केन्द्र की पहल की जा रही है। इसके अंतर्गत राज्य में कुल 86 विद्यालयों का चयन भारत शासन द्वारा किया गया है। प्रथम चरण में प्रदेश के 17 जिलों के 18 विद्यालयों का चयन किया गया है।

दीपका के झाबर में महिला को मारी गोली, जांच जारी

कोरबा (आरएनएस)। शुक्रवार 31 दिसम्बर को नए साल के स्वागत में सभी जश्न मना रहे थे इसी बीच दीपका थाना क्षेत्र में एक महिला पर गोली चलाने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। घटना दीपका थाना क्षेत्र के ग्राम झाबर की है। बाइक में सवार होकर दो युवक पहुंचे और एक ने घर में घुसकर गोली चलाई। वारदात के बाद दोनों फरार हो गए।

बताया जा रहा है कि झाबर निवासी सरोजनी बाई 25 घर पर थी। पति किसी काम से घर से बाहर था। महिला के माता.पिता घर में अन्य कमरे में थे। जबकि बच्चा पास में ही था। रात करीब 11बजे बाइक में सवार दो युवक आए और घर में घुसकर उस पर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनकर माता.पिता मौके पर पहुंचे। गोली महिला के आंख और कांन के बीच लगी है। महिला ने खुद अपने पति को फोन किया और वारदात की जानकारी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और महिला को कोरबा के कोसा बाड़ी स्थित न्यू कोरबा हास्पिटल में भर्ती कराया । दीपका में हुए वारदात की सूचना मिलते ही टीआई अविनाश सिंह पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस कंट्रोल रूम के जरिये सूचना प्रसारित कर पूरे जिले की नाकेबंदी की गई। नव वर्ष की पूर्व रात्रि कानून व्यवस्था के लिए पहले से सतर्क पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल नाकेबंदी करने में विलंब नहीं हुआ। थोड़ी ही देर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा अस्पताल पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। घायल महिला बातचीत कर रही है। पुलिस वारदात के पीछे की वजह जानने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों को आरडीए निर्मित मकानों में 15 प्रतिशत छूट की सौगात दी

» केन्द्र सरकार द्वारा पूर्व में जारी 15 प्रतिशत छूट के साथ ही मीडियाकर्मियों को मकान क्रय करने पर अब मिलेगी 30 प्रतिशत की छूट

रायपुर (आरएनएस)। नववर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मीडियाकर्मियों से नववर्ष मिलन समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों द्वारा निर्भिकतापूर्वक कोरोनाकाल में की गई सेवाओं की सराहना करते हुए नववर्ष की सौगात देते हुए पत्रकारों के लिए आरडीए द्वारा निर्मित कमल विहार कालोनी में आवास क्रय करने पर 15 प्रतिशत छूट की घोषणा की मुख्यमंत्री ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा 15 प्रतिशत छूट मीडियाकर्मियों को पहले से दी जा रही है। इसमें राज्य सरकार द्वारा 15 प्रतिशत की छूट प्रदाय करने के उपरांत अब मीडियाकर्मियों को आबंटित आवास में कुल राशि में 30 प्रतिशत की छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री की घोषणा पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए प्रेसक्लब के वरिष्ठ पत्रकारों ने मीडियाकर्मियों की सुध लेने पर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान प्रेसक्बल के अध्यक्ष दामू आम्बेडारे द्वारा समय-समय पर उनके समक्ष समस्याएं लेकर आने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे पत्रकारों के सच्चे हितैषी हैं। अक्सर पत्रकारसार्थियों की समस्याओं को लेकर वे ही उनसे मिलते रहते हैं।

बहुत दिनों बाद सुबह सुबह का सूरज देखनो को मिला। नववर्ष पर आज मै सुबह 8 बजे से पहले सफाई कर्मी, फिर श्रमिक कर्मी, फिर पुलिस कर्मी और अब प्रेस कर्मी से मिल रहा हु। उन्होंने कहा कि सुख और दुख में हमेशा दुख का हिस्सा ज्यादा होता है और सुख का हिस्सा कम। लेकिन दुख को बांटने से दुख का हिस्सा कम होता है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल मे प्रेस कर्मी अपने और अपने परिवार की जान की परवाह किये बिना लोगो की सहनशीलता में वृद्धि करने का काम किया है। प्रेस कर्मियों ने इस महामारी में अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके लिये मैं उनका आभार मानता हूं।

नव वर्ष पर राजिम त्रिवेणी संगम में उमड़े श्रद्धालु

राजिम (आरएनएस)। शनिवार को नया वर्ष सन् 2022 का स्वागत लोगों ने खासतौर से मंदिरों में जाकर मत्था टेका और पूरा साल अच्छा गुजरे इन्हीं उम्मीदों के साथ भगवान से प्रार्थना किया। शीघ्र कोरोना वायरस जैसे गंभीर बीमारी को न सिर्फइस देश बल्कि दुनिया से समाप्त हो। अलसुबह से ही श्रद्धालुओं का प्रयाग भूमि में आना शुरू हो गया था। सोंढूर, पैरी एवं महानदी के संगम में स्नान किए पश्चात विश्व विख्यात पंचमुखी कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में जाकर दर्शन किए शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढ़ाया गया जल दूध, दही शक्कर, शहद आदि सामग्री से अभिषेक किया गया तथा केसरईया, फूंडहर, बिल्वपत्र, अक्षत् चढ़ाकर अर्ध परिक्रमा किया गया तथा भक्तों ने शीघ्र कोरोनावायरस से मुक्ति की मांग महादेव से की। यहां दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने परिवार से पहुंचे हुए थे नदी का प्राकृतिक दृश्य देखकर लोग अभिभूत हो गए। कई पर्यटक नवागांव एनीकट के पास चले गए और छलकता पानी का दृश्य देख घंटो जहां समय बिता है। बन रहे लक्ष्मण झूला को भी पर्यटक ओने निहारा। तट में स्थित भूतेश्वर नाथ महादेव एवं मामा भांचा मंदिर का दर्शन किए। कमलक्षेत्र पद्मावती पुरी नाम से राजीवलोचन मंदिर परिसर के द्वार पर अंकित किया गया है। इन्हीं के नीचे से होकर सर्वप्रथम राजिम भक्ति माता को प्रणाम किए प्रसाद सूर्य देव, दान दानेश्वर नाथ महादेव, राज राजेश्वर नाथ महादेव के साथ ही यहां के प्रमुख भगवान विष्णु का विशाल मंदिर राजीव लोचन के दर्शन से मन प्रसन्न हो गए भगवान का अत्यंत मनमोहिनी स्वरूप काफी प्रभावित किया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से मंदिर के महामंडप को डोर से घेरा गया था। प्रवेश द्वार दक्षिण की ओर तथा निर्गमन द्वार उत्तर की ओर था। राजीवलोचन के दर्शन पश्चात महाप्रभु भगवान जगन्नाथ में मूर्रा का प्रसाद बाटा गया। मंदिर के चारों ओर में स्थित वराह अवतार, वामन अवतार, नृसिंह अवतार, बद्री नारायण अवतार के साथ ही अंत में साक्षी गोपाल का दर्शन पूरे प्रदेश में यहां होता है लोग मंदिरों के दर्शन से प्रसन्न हो गए। घंटियों की झंकार गूंजती रही। इनके अलावा लक्ष्मी नारायण मंदिर, आदिशक्ति मां महामाया मंदिर, दत्तात्रेय मंदिर, गरीब नाथ मंदिर, सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर आदि में सुबह से लेकर देर रात तक घंटी बजती रही। बताना चल रही है कि नव वर्ष के मद्देनजर सुबह से ही पुलिस की तगड़ी व्यवस्था देखने को मिली तैनात पुलिस वाले कोई बैठकर तो कोई खड़े होकर ड्यूटी दे रहे थे ताकि दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

जेठ ने अपनी बहु को मौत के घाट उतारा

कोरबा (आरएनएस)। ग्राम छिंदपुर में जेठ ने अपनी बहु को टांगी से हमलाकर मौत के घाट उतारा दिया। विधवा महिला चिल्लाती रही लेकिन किसी ने उसकी आवाज नहीं सुनी। अन्ततः जेठ ने जमीन विवाद के चलते भाई की विधवा पत्नी को काट डाला।

मामला कोरबा जिले के हरदी बाजार पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम छिंदपुर का है। अपने सास ससुर के साथ रहती आ रही अमरीका वास उम्र 35 वर्ष पति स्व गिरधारी वास से जेठ बनवारी वास उम्र 55 वर्ष जमीन विवाद को लेकर बहस करने लगा। मिली जानकारी के अनुसार छिंदपुर निवासी बनवारी के साथ 4 वर्षों से जमीन विवाद चल रहा था जो शुक्रवार सुबह 10.30 बजे हत्या में तब्दील हो गया। अमरीका बाई वास पति स्व गिरधारी वास 35 वर्ष के बीच आपस मे विवाद होते हुए बनवारी वास ने अपने घर के सामने धारदार हथियार से गला में वार किया जिससे महिला की मृत्यु हो गई ।

बारिश से धान भीगने के मामले में लापरवाह फड़ प्रभारी निलंबित

कोरबा (आरएनएस)। कुदुरमाल के धान खरीदी केंद्र में बेमौसम बारिश से धान भीगने के मामले में लापरवाह फड़ प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। दो दिनों से हुई बारिश के बाद प्रशासन की ओर से की गईए जिसमे कुदुरमाल उपार्जन केंद्र में बेमौसम बारिश से धान के गीले होने का मामला सामने आया है।

मामले की जानकारी देते हुए सहकारी संस्था के पंजीयक बसंत कुमार ने बताया कि बारिश में धान की सुरक्षा को लेकर सघन जांच की गई। इस दौरान कुदुरमाल धान खरीदी केंद्र खासी मात्रा में बोरियों के भरे धान का भीगे पाए गए। जांच के दौरान मौजूद फड़ प्रभारी और काम करने वाले हमालों ने बताया कि 28 दिसंबर की शाम बेमौसम बारिश और तेज अंधी तूफान जैसी हवा से तारपोलिन उड़ जाने के कारण केंद्र में रखा 49 बोरी धान गीला हो गया था। इस धान को कर्मचारियों द्वारा सूखे बारदाने में पलटी कर सुरक्षित किया गया है। धान में नमी की मात्रा 16०6 पाई गई है शेष धान पूरी तरह सुरक्षित है। बसंत कुमार ने बताया कि कुदुरमाल उपार्जन केंद्र में लगभग सात हजार क्विंटल धान को ढकने के लिए तारपोलिन की पूरी व्यवस्था हैए इसके बावजूद भी फड़ प्रभारी चंद्र कुमार राठौर की लापरवाही से बेमौसम बारिश से धान को बचाने की समय पर करवाई नही की गई और 49 बोरी धान बारिश में भीग गया। पर धान पूरी तरह सुरक्षित है उसे कोई नुकसान नही हुआ है। फड़ प्रभारी को इस लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। वर्तमान में केंद्र में बने सात चबूतरों पर 4 हार क्विंटल धान सुरक्षित रखा गया है और केंद्र से धान का उठाव जारी है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तथ्य में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्त, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

वर्ष 2021 में सुरक्षा बलों ने 42 नक्सली मारे गये, मुठभेड़ में 34 जवान शहीद हुए

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वर्ष 2021 में हमारे जांबाज जवानों ने नक्सलियों से जमकर लोहा लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनवरी 2021 से लेकर 31 दिसंबर तक हमारे सुरक्षा बलों ने 42 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें से 01 लाख से लेकर 10 लाख रुपये तक के इनामी नक्सली शामिल हैं। वहीं नक्सली मुठभेड़ में 34 जवान शहीद हुए हैं।

23 मार्च को नारायणपुर में नक्सलियों ने जवानों से भरी बस को उड़ा दिया, जिसमें 05 जवानों की शहीद हो गए और 19 जवान घायल हो गए थे। जिसमें से 07 जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे। नक्सलियों ने उस वक्त वारदात को अंजाम दिया, जब डीआरजी के जवान सर्चिंग से वापस नारायणपुर के लिए लौट रहे थे। इसी दौरान कडेनार और कंहारगांव के बीच नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट से बस के परखच्चे उड़ गए थे।

25 मार्च को कोंडागांव जिले के केशकाल इलाका अंतर्गत कुएंमारी में सड़क निर्माण में लगी गाड़ियों को नक्सलियों में दिन दहाड़े आग के हवाले कर दिया। नक्सल प्रभावित अति संवेदनशील इलाके में नक्सलियों द्वारा की गई इस अगजनी में 17 गाड़ियां जलकर खाक हो गई थीं। हथियारबंद नक्सलियों ने घटना को उस वक्त अंजाम दिया जब निर्माण कार्य में जुटे लोग लंच कर रहे थे। इस घटना में करीब 03 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ था।

03 अप्रैल को सुकमा जिले के तर्रेम बीजापुर-सुकमा के सरहदी क्षेत्र में नक्सलियों के डबल एंबुश में फंस गई। इसके बाद पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 24 जवान शहीद हो गए, वहीं एक कोबरा बटालियन के जवान राकेश्वर सिंह को नक्सलियों ने अगवा कर लिया था। अगवा जवान की रिहाई के लिए पूरा देश एकजुट हो गया था।

21 अप्रैल को बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में डीआरजी के एसआई मुरली ताती का नक्सलियों ने अपहरण कर लिया था। नक्सली तीन दिनों तक एसआई मुरली को अपने साथ घुमाते रहे। उसके बाद 23 अप्रैल को जवान की हत्या कर शव को सड़क पर फेंक दिया था। इस दौरान नक्सलियों ने मुरली के शव के साथ पर्चा भी फेंका था। अपहत जवान की रिहाई के लिए आदिवासी समाज ने अपील भी की थी।

05 नवंबर को नक्सलियों ने सुकमा जिले के बटेर गांव से मुखबिरी के शक में 05 ग्रामीणों का अपहरण कर लिया था। हालांकि तीन दिन बाद नक्सलियों ने ग्रामीणों को छोड़ दिया, लेकिन कुछ ग्रामीणों के साथ नक्सलियों ने मारपीट की थी।

07 नवंबर को सुकमा जिले के मरईगुड़ा के लिंगनपल्ली में सीआरपीएफ की 50 वीं बटालियन में एक जवान ने साथियों पर गोलियां बरसा दी थी.